

BRIEF NEWS

यौन उत्पीड़न मामले में दोषी को तीन साल की सजा

RANCHI : नाबालिग से यौन उत्पीड़न के एक मामले में विशेष कोर्ट ने शुक्रवार को पोक्सो एक्ट के तहत विनोद लोहरा को दोषी माना और उसे तीन साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

अपहृत व्यक्ति सकुशल बरामद, पांच गिरफ्तार

RANCHI : रांची के नामकुम स्थित खरसीदाग ओपी पुलिस ने अपहृत विजय उरांव को कार के साथ सकुशल बरामद करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों में संजय कुमार महतो, सूरज कुमार, अभिराम महतो, अर्पित शर्मा और अजय कुमार महतो शामिल है। इनके पास से दो पीस लोहे का रॉड, एक बांस का डंडा, 32 फीट लंबा रस्सी, एक कुल्हाड़ी और पांच पीस मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

मंजूनाथ भजंत्री ने संभाला रांची उपायुक्त का पदभार

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मंजूनाथ भजंत्री ने उपायुक्त रांची का पदभार ग्रहण किया। समाहरणालय ब्लॉक ए स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में वरुण रंजन ने उन्हें पदभार सौंपा। इस दौरान जिलास्तरीय पदाधिकारियों उपस्थित थे। मंजूनाथ भजंत्री 2011 बैच के आईएएस अधिकारी हैं।

डीजीपी से मिला सरना समिति का प्रतिनिधिमंडल

RANCHI : केन्द्रीय सरना समिति के केन्द्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिकी नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल धुव्या स्थित पुलिस मुख्यालय में शुक्रवार को डीजीपी अनुराग गुप्ता से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने डीजीपी को पुष्प गुच्छ देकर शुभकामनाएं और बधाई दी।

अनुराग गुप्ता ने डीजीपी का ग्रहण किया प्रभार

RANCHI : अनुराग गुप्ता ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय पहुंचकर झारखंड डीजीपी का प्रभार ग्रहण किया। इस मौके पर पदभार संभालने के बाद डीजीपी ने कहा कि पुलिस की आंतरिक व्यवस्था सुदृढ़ करने पर जोर होगा।

मामले की गहराई से तहकीकात करने में जुटी एसआईटी 107 करोड़ की अवैध निकासी में बंगाल कनेक्शन आया सामने

पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में ट्रांसफर किए गए हैं पैसे

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के महत्वपूर्ण उपक्रम पर्यटन विकास निगम लिमिटेड झारखंड, विद्युत वितरण निगम लिमिटेड और झारखंड ऊर्जा उत्पादन निगम लिमिटेड के खाते से लगभग 107 करोड़ रुपये गायब करने की साजिश का बंगाल कनेक्शन सामने आया है।

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मामले की विस्तार से दी जानकारी

अवैध निकासी मामले में बंगाल के सख्तियां और उनके झारखंड लिंक की जांच की जा रही है। सबसे ज्यादा पैसे बंगाल से जुड़े खातों में हस्तांतरित किए गए हैं। जिन खाताधारकों के नाम जांच के दौरान उजागर हुए हैं, उनमें से करीब 600 सख्तियां हैं।

बंगाल के सख्तियां खाताधारियों की जांच

अवैध निकासी मामले में बंगाल के सख्तियां और उनके झारखंड लिंक की जांच की जा रही है। सबसे ज्यादा पैसे बंगाल से जुड़े खातों में हस्तांतरित किए गए हैं।

कौन-कौन हुए अरेस्ट

मामले में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें जेटीडीसी के तत्कालीन लेखपाल गिरजा सिंह, केनरा बैंक हटिया के तत्कालीन शाखा प्रबंधक अमरजीत कुमार, साजिशकर्ता रुद्र उर्फ समीर, रांची के रहने वाले लोकेश शर्मा, रांची के बिरसा चौक स्थित बैंक के शाखा प्रबंधक लोलस लकड़ा और इलाहाबाद बैंक के अमर कुमार शामिल हैं।

सीएम चाहें तो 9 दिसंबर के पहले भी कर सकते हैं कैबिनेट विस्तार : राजेश

RANCHI : शुक्रवार को झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। अब जल्द ही कैबिनेट का विस्तार हो जाएगा।

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम में रहीं शामिल सलीमा व संगीता को डीआरएम ने किया सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : डीआरएम सह अध्यक्ष दक्षिण पूर्व रेलवे खेल संघ, रांची जसमीत सिंह बिंद ने महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 की विजेता भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली कप्तान सलीमा टेरे और संगीता कुमारी को सम्मानित किया।

8 रेलकर्मों सेवानिवृत्त

शुक्रवार को रांची रेल मंडल के 8 रेलकर्मों सेवानिवृत्त हो गए। इन सभी को सेवानिवृत्ति से संबंधित समस्त भुगतान सौंपा गया।

आदिवासी मूलवासी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज झामुमो में होंगे शामिल

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड विधानसभा चुनाव में इंडी गठबंधन को जनादेश मिलने के बाद शुक्रवार को आदिवासी मूलवासी मंच के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज टोपो ने बताया कि वे एक सप्ताह के बाद झामुमो में शामिल होंगे।



रखी। उन्होंने कहा कि अंचल में कर्मचारी बिना पैसे लिए कोई काम नहीं करते हैं तो वेैसे कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्रवाई होनी चाहिए।

झारखंड कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को दी बधाई

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड को जनवरी, 2025 में चार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है।

झारखंड को मिली एसजीएफआई राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड को जनवरी, 2025 में चार राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की मेजबानी मिल गयी है।



अंडर 19 एथलेटिक्स का आयोजन 5 जनवरी से 8 जनवरी तक होगा। अंडर 14 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 11 जनवरी से 14 जनवरी तक होगा।

नई पहल : संस्थान के गोल्डन जुबली बैच का 3 दिसंबर को होगा पुनर्मिलन

रिम्स के डॉक्टर 'वॉक फॉर हार्ट' से देंगे फिट रहने का संदेश

PHOTON NEWS RANCHI :

रिम्स में न केवल मरीजों का इलाज होता है, बल्कि यहां से स्पेशलिस्ट डॉक्टर भी बनकर निकलते हैं।

रंग एज में हो रही मौत को लेकर भी किया जाएगा जागरूक लाइफ स्टाइल डिजीज को कंट्रोल करने का बताएंगे तरीका



अतिथि के रूप में डॉ. एस के सिन्हा मौजूद रहेंगे। वह आरएएमसीएच के पहले बैच के शिक्षक रहे हैं।

हालांकि डॉ. एस के सिन्हा को बीजेपी का सदस्य माना जा रहा है। इतना ही नहीं, डॉक्टर बनने के 50 साल वाले गोल्डन 25 साल वाले सिल्वर जुबली मनाएंगे।

जानेगी। संस्थान के शिक्षकों और वरिष्ठजनों का सम्मानित किया जाएगा।

पांच से आठ दिसंबर तक रांची में होगा इनर इंजीनियरिंग प्रोग्राम

PHOTON NEWS RANCHI :

सदरु द्वारा स्थापित ईशा फाउंडेशन कोयंबटूर की ओर से राजधानी के सीएमपीडीआई स्वरूपेखा हाल (स्टाफ कॉलेज बिल्डिंग के समीप) में पांच से आठ दिसंबर तक चार दिवसीय इनर इंजीनियरिंग प्रोग्राम किया जाएगा।

मंगल मुंडा की मौत पर बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार को घेरा

PHOTON NEWS RANCHI :

भगवान बिरसा मुंडा के परपोते की रिम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके बाद बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी हेमंत सरकार और सिस्टम पर निशाना साधा है।

10 घंटे बाद किया गया था भर्ती, 15 हजार की दवाएं भी खरीदनी पड़ीं



एक गरीब आदिवासी की जिंदगी को कीमत आज बस इतनी ही रह गई है। यह केवल मंगल मुंडा जी की मौत नहीं, बल्कि व्यवस्था के द्वारा उनकी हत्या है।



आया मौसम गाजर का

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

- **भूमि एवं तैयारी**— अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट-भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कटोर, कुरूप और कई रेशदार जड़ें वाली बनती हैं।
- **बीज एवं बुवाई / समय**— मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त-सितम्बर माह और यूरोपियन किस्में अक्टूबर-मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।
- **बीज दर**— बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।
- **किस्में**— पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदान, चन्नी, नेन्स
- **बीजोपचार**— गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।
- **बुवाई विधि**— गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारें 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोये। मेड़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।
- **खाद एवं उर्वरक**— सामान्यतया 25-30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30-40 दिन बाद

यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।

- **सिंचाई**— बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10-12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12-15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।
- **निंदाई-गुड़ाई**— गाजर की फसल में पहली निंदाई-गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ-साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासी) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नौदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई-गुड़ाई बीज बोने के 40-45 दिन बाद करनी चाहिये।
- **खुदाई**— जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कटोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।
- **पैदावार**— एशियाई किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150-200 किंव./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।



सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर है कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है।

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर है कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि

- **बुआई**— बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका है जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे खर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।
- **इसके** अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो



इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है। हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा है ल्यूसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ है सर्वोत्तम।

- **जलवायु**— इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती है। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।
- **काश्त**— इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुलाई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।
- **बीज प्रक्रिया**— ल्यूसर्न के बीजों का सतही क्वच जरा कठिन होता है। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए

सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता है तो खेत में (रिजस) बनायें जो एक-दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हों। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।

- **खाद**— ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरूरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीब्डेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डालें और मिट्टी में मिलायें।
- **सिंचाई**— ल्यूसर्न को नमी की जरूरत होती है। अतः जरूरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।
- **कटाई**— जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।



पालक

पालक की खेती लवणीय भूमि में भी होती है। हल्की क्षारीय मिट्टी को भी सहन कर लेती है। इसके लिए खेत की कई बार जुताई करके तथा पाटा चलाकर अच्छी तरह भुरभुरा बना लें। बुवाई पूर्व खेत में क्यारियां तथा सिंचाई की नालियां बना लें।

उन्नत किस्में

पूसा भारती, पूसा हरित, आल ग्रीन, पूसा ज्यॉति, जोबनेर ग्रीन।
खाद एवं उर्वरक— बुवाई से 15 से 20 दिन पूर्व प्रति हेक्टेयर 20 गाड़ी अच्छी सड़ी हुई गोबर खाद डालकर खेत में अच्छी तरह मिला दें। बुवाई से पूर्व किलो नत्रजन, 40 किलो फास्फोरस एवं 40 किलो पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से मिट्टी में मिला दें। नत्रजन की इतनी ही मात्रा खड़ी फसल में बराबर भागों में बांटकर पहली एवं दूसरी कटाई के बाद या अधिक कटाई होने पर प्रत्येक दो कटाइयों के बाद दें।

बुवाई एवं बीज की मात्रा— एक हेक्टेयर खेत की बुवाई के लिए लगभग 25 से 30 किलो बीज की आवश्यकता होती है। प्रायः बीजों को खेत में छिटकावा विधि से बोते हैं। परंतु पंक्तियों में बोना अधिक लाभप्रद होता है। इस विधि में पंक्तियों की दूरी 20 सेंटीमीटर तथा पौधे से पौधे की दूरी 5 से 7 सेंटीमीटर रखते हैं। बीज को 3 से 4 सेंटीमीटर की गहराई पर बोते हैं। बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। अगर नमी कम हो तो बुवाई के कुछ दिन बाद हल्की सिंचाई कर दें ताकि बीजों का जमाव ठीक प्रकार से हो सके। बीज 8 से 10 दिन में अंकुरित हो जाते हैं।

रबी की फसल के लिए बुवाई सितम्बर मध्य से दिसम्बर मध्य तक की जा सकती है। पालक की बुवाई गर्मी तथा खरीफ के मौसम में भी की जा सकती है लेकिन इन दोनों मौसमों में बुवाई के बाद केवल एक कटाई ही लें तथा फिर दुबारा बुवाई करें। इस प्रकार इन मौसमों में बार-बार बुवाई कर इसकी खेती की जा सकती है।

सिंचाई एवं निगाई-गुड़ाई— बुवाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई करें। पत्तियों की अधिक लगातार वृद्धि के लिए मिट्टी में पर्याप्त नमी हों। अतः थोड़े-थोड़े अंतराल पर हल्की सिंचाई करते रहें। पालक की फसल में काफी सिंचाई की आवश्यकता होती है अतः मौसम, मिट्टी एवं फसल की आवश्यकतानुसार 6 से 10 दिन के अंतर पर हल्की सिंचाई करते रहें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए 2 से 3 निगाई-गुड़ाई करना जरूरी होता है।

कटाई एवं उपज— पालक बुवाई के 3 से 4 सप्ताह बाद पहली कटाई के लिए तैयार हो जाते हैं। पत्तियों को पूर्ण आकार की हो जाने के बाद जब वे पूरी तरह हरी, कोमल तथा रसीली अवस्था में हों तो जमीन की सतह से 5 से 7.5 सेंटीमीटर ऊपर से ही काट लेते हैं। इसके बाद 15 से 20 दिन के अंतर पर कटाई करते हैं। किस्म के अनुसार 6 से 8 कटाई हो जाती है। औसत उपज 100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

जलवायु— यह प्रमुख रूप से सर्दी (रबी) के मौसम की फसल है। अन्य सब्जियों की अपेक्षा पालक में पाला सहने की क्षमता अधिक होती है तथा यह प्रतिकूल परिस्थितियों अधिक सहन कर सकता है। गर्मी एवं खरीफ के मौसम में भी इसकी खेती की जा सकती है परंतु अधिक गर्मी रहने पर बीज डण्डल शीघ्र आ जाते हैं तथा सिर्फ एक ही बार पत्तियों की कटाई हो पाती है। उन क्षेत्रों में जहां अधिक गर्मी नहीं पड़ती है वहां इसे सालभर लगा सकते हैं।

भूमि एवं खेत की तैयारी— पालक की अच्छी खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मिट्टी बहुत उपयुक्त है। वैसे इसकी खेती चिकनी मिट्टी में सफलतापूर्वक की जा सकती है।

ककोड़ा

ककोड़ा एक रुचिकारक गर्म, वात, कफ और पित्तनाशक सब्जी है। इसका फल कफ, खांसी, अरुचि, वात, और हृदयशूल को दूर करता है। उन्नत किस्में— इसकी दो प्रचलित किस्में हैं— छोटा ककोड़ा व बड़ा ककोड़ा। छोटा ककोड़ा किस्म के फल आकार में गोल व छोटे होते हैं तथा दोनों सिरे मुकीले तथा लम्बे होते हैं। बड़ा ककोड़ा किस्म के फल आकार के बड़े, कम बीज वाले व गोल होते हैं। छोटा ककोड़ा की मांग बाजार में ज्यादा रहती है।

जलवायु— इसके लिए आर्द्र तथा गरम जलवायु उपयुक्त रहती है। वृद्धि एवं उपज 32 से 40 डिग्री तापमान पर अच्छी होती है।

भूमि एवं खेत की तैयारी— साधारणतया इसके पौधे ऐसी भूमि में उगाए जा सकते हैं जिसमें जल निकास की उचित व्यवस्था हो। वैसे बलुई दोमट भूमि इसके लिए सर्वोत्तम पाई गई है। सिंचाई की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। हल चलाकर खेत अच्छी तरह तैयार कर लें।

लगाने की विधि— बीजों से लगाने पर फल भी 1-2 वर्ष बाद आते हैं। अतः ककोड़ा को वानस्पतिक विधि से ही उगाया जाना चाहिए। इस विधि से 2-3 माह बाद ही बेलें फल देने लगती हैं।

वानस्पतिक प्रसारण विधि— प्रथम विधि— दो वर्ष की बेल की जड़ें कन्द जैसी हो जाती हैं। जिन पर कई कंद पाये जाते हैं। कंद को अलग-अलग करने का समय फरवरी-मार्च व जून-जुलाई होता है। कंद केवल मादा पौधा ही लेने चाहिए।

द्वितीय विधि— इस विधि में मादा पौधों से 2-3 माह पुरानी बेल से 30-40 सेंटीमीटर लम्बी कतारें बनाकर किसी छायादार स्थान पर लगा दें। इन कलमों में 60-80 दिनों में जड़े फूट जाती हैं तथा इस अवस्था में इन्हें खेत में लगा दें। इसके बाद उन्हें मिट्टी के साथ उठाकर खेत में प्रतिस्थापित कर दिया जाता है।

खाद-उर्वरक एवं रोपाई— प्रत्येक क्यारी में 30-40 किलो गोबर खाद खेत की तैयारी करते समय मिलायें। बाद में मार्च-अप्रैल में 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दें। 13x2 वर्गमीटर की दूरी पर क्यारियां, दीवारों या बाड़ के पास थाला बना लें। इनमें पौधों का कंदों को लगाएं। 4-5 मादा पौधों के साथ एक नर पौधा भी लगाना आवश्यक है। फल बनते समय पुनः 20-30 ग्राम यूरिया प्रति पौधा दिया जाना चाहिए। ककोड़ा का फल नई फुटान तथा बढ़वार पर ही लगता है। अतः इनमें प्रति थाला, प्रति वर्ष फूल आने के समय 3-4 किलो गोबर खाद तथा 20-30 ग्राम नाइट्रोजन डालकर पानी दें।

सिंचाई— ग्रीष्मकाल में साधारणतया 6-10 दिन के अंतर पर सिंचाई की जाती है। बरसात में सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती। वर्षाकाल में अधिक जल को फसल से निकालना आवश्यक होता है।



COP29 deal has let the world down

COP29, the latest round of climate negotiations at Baku, ended with a contested deal. The central theme was supposed to be climate finance. It refers to local, national or transnational financing that seeks to support mitigation and adaptation actions that will address climate change. For decades, developing countries have been demanding additional funding to help them take effective measures to meet the challenge of climate change. They have been demanding that rich countries shoulder a greater responsibility because primarily they are responsible for the current crisis. It is historical emissions from the Global North since the Industrial Revolution that have led to the climate crisis. The quantum of climate finance and its source have been a sticking point between developed and developing nations for a long time. It was against this backdrop that the Baku negotiations raised expectations and hope for a good deal. The outcome sets a goal of at least \$300 billion of climate finance every year by 2035 for developing countries. The money will come from a wide variety of sources — public and private, bilateral and multilateral, including alternative sources. In providing this funding, developed countries will take the lead and developing nations will be encouraged to make contributions voluntarily. The finance goal set at Baku falls much short of the target and the timeframe developing countries had demanded — \$1.3 trillion in finance every year to be mobilised by developed countries starting 2025. Not only is the figure much below the quantum but the timeframe is far off. This is by now a familiar tactic of the Global North — fix a watered-down target and a much longer timeframe to avoid any immediate commitments. Moreover, the promised funding will not come solely from the rich. Developing countries, too, will have to contribute to the kitty. Predictably, this has upset developing countries. At the end of the negotiations, India, Bolivia and Nigeria voiced their concerns over the weak deal, officially called the New Collective Quantified Goal on Climate Finance. India has also accused the presidency of the Conference of Parties (COP) of pushing through the deal without following the norms of multilateral talks held under the aegis of the UN. Developing countries need finance and technology to meet the challenge of climate change. Money is needed for mitigation — large-scale investments are required to significantly reduce emissions. This means funding to support renewable energy projects, energy efficiency, managing living natural resources and land use, protection of terrestrial and aquatic biodiversity, clean transportation, etc. The second major requirement of additional funding is for adaptation — resources needed to adapt to the adverse effects and reduce the impacts of a changing climate. This would, for example, include funding to build infrastructure that can withstand storms and flooding, financing the relocation of infrastructure projects away from areas with rising sea levels, developing and supplying drought-resistant seeds, etc. In addition, climate finance is required for a third category of actions known as 'loss and damage' to help countries cope with natural disasters accentuated due to climate change.

Over the years, several mechanisms and funds have been devised for climate finance under the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCCC). These include the Global Environment Facility, Green Climate Fund, Special Climate Change Fund, Least Developed Countries Fund, Adaptation Fund, etc. However, in effect, very little money has flowed into these funds and made available to developing countries. For instance, the Green Climate Fund has supported 243 projects across 129 developing countries totalling \$13.5 billion during the 2020-23 period. The Adaptation Fund has committed \$1.2 billion for 183 adaptation projects in several developing countries since 2010. The flow of funding from other mechanisms is even more minuscule. Overall, the finance available from UNFCCC-promoted funds and mechanisms is far below the requirement. Hence, the demand at Baku was to enhance the quantum as well as quality of finance.

Manipur a test of govt's ability to manage unity in diversity

AS euphoric celebrations over Maharashtra state elections lead to a 'masterstroke' discourse and headlines, the continuing agony of Manipur has been relegated again. A brief mention of rushing an additional 10,000 CAPF (Central Armed Police Forces) soldiers towards addressing the.

AS euphoric celebrations over Maharashtra state elections lead to a 'masterstroke' discourse and headlines, the continuing agony of Manipur has been relegated again. A brief mention of rushing an additional 10,000 CAPF (Central Armed Police Forces) soldiers towards addressing the spiralling Manipuri violence seemingly satisfies the national consciousness. Official figures peg the death toll at about 258, with about a lakh displaced. The substantially higher unofficial figures are automatically pooh-poohed. News coming out of the troubled state is patchy, if any. The complete breakdown of Manipur is a mere footnote in news.

Manipur is a microcosm of India with religio-ethnic diversities, polarised assertions and a deeply contested history that tests the ruling dispensation's ability to manage the constitutionally aspired unity in diversity. Manipur hosts an amalgamation of Hindus (Vaishnavite Meitei), Christians (Kuki-Zo, Nagas), Muslims (Pangals), Buddhists and tribals and it even had Jews (B'nei Menashe) once upon a time. Therefore, the erstwhile Kangleipak state (Meitei-ruled Manipuri state) has always had to deal with underlying disaffection among its non-Meitei populace, especially in the hills dominated by Kukis and Nagas. But a certain geographical arrangement and understanding of respecting the local turfs and sensibilities of the various diversities ensured a semblance of normalcy. In a way, Manipur mirrors the challenges that had beset the newly independent India. It, too, had required the celebration of the commonality of differences as opposed to insisting on the homogeneity of the 'land of the pure' or Pakistan. The foundational and constitutional 'idea of India' was a direct contrast to the majoritarian 'idea of Pakistan' as India was fundamentally predicated on inclusivity, secularism and a deliberate accommodation of 'others'.

Therefore, the 'idea of India' always beseeched a large-hearted outreach, protection and affirmation of those whose voice could get naturally diluted in a democratic majority. Ultimately, as numbers matter in a democratic contest, those with lower numbers (read minorities) could get lost. It is this imagined vulnerability of the minorities that led to societal dissonance in regions with higher numbers of minority denominations, like Jammu and Kashmir, Punjab or the Northeast states.

The integration of many of these regions, such as Jammu and Kashmir's accession to India in 1948, or

the Maharaja of Manipur's signing of the merger agreement in 1949, were by themselves complicated events. Obviously, the forces inimical to India fanned the situational dissonance towards secessionism. It had taken Delhi to course-correct many of its missteps and admit to some excesses whilst signing the peace accords in places like



Punjab and Mizoram to trigger the end of insurgent movements. Finally, the 'Idea of India' had triumphed by convincing the restive diversities, especially minorities, on the genuineness of Delhi in honouring the foundational spirit of unity in diversity. Sadly, along with Jammu and Kashmir, Manipur has the dubious distinction of facing the longest continuing insurgency and the maximum number of insurgent groups. Groups like the People's Liberation Army of Manipur (PLA), People's Revolutionary Party of Kangleipak and Kangleipak Communist Party represent the societal grouping in the state. Other prominent insurgent groups include Naga groups like the National Socialist Council of Nagaland-Isak-Muivah and National Socialist Council of Nagaland-Khaplang as also the Kuki National Army representing the Kuki ethnicity. These groups have separate, specific, and, often, conflicting agendas that seek to protect their respective turfs and arrangements.

These armed groups could either be pursuing purely secessionist movements, such as the PLA, or protectionist agendas to defend their communities from seceding space in the delicate arrangement from usurpation or diminishment. Many groups have fought violently in the past, like the Kuki forces against the Naga groups, or, like now, the Meitei multitude against the Kukis.

Delhi always had a difficult task in addressing each group and challenge uniquely, without resorting to blanket narratives or presumptions. Therefore, while it is relatively peaceful in the once-troubled places like Nagaland, Mizoram and Assam, the divergence of competing interests in the Manipuri cauldron have failed to end the insurgent movements therein. Although till about 2022, the broadly respected arrangement of various groups ensured relative peace, but not completely. Delhi had to tiptoe around the armed aspirations to not be seen as favouring any group or community.

The local arrangement among the Manipuri divide was given to a sudden fracture, with the local courts suggesting affirmative action that seemed to suit one group over the other perceptively. This move, coincidentally, fitted well with the thrust of majoritarian politics that had entered the region and spurred the ruling dispensation in Delhi into power even in Imphal for the first time in 2017. The fact that this winning partisan thought had successfully conflated religion with nationalism, it axiomatically led to 'othering' or aspersions of 'anti-national' on to communities that did not fit the formula.

Dangerously, the perception gained credence that Delhi had made a choice among the restive groups that threatened the traditional set piece of local arrangement. The supporting rhetoric was typically one-sided, with murmurs of one side having foreign support, gunrunning, smuggling, territorial denialism and even aspirations of a 'Christian state'. It didn't help matters that the actions of the law and order agencies also seemed to favour one side. The absence of the Prime Minister's visit despite the scale of tensions and bloodshed only deepened the distrust amongst the proverbial 'others' in the conflict. The new narrative may have electorally benefited the ruling dispensation in the region, but it has also brutally polarised the communities and allies, like the regional National People's Party, had no choice but to throw in the towel. It is true that conflict-ridden regions like Jammu and Kashmir and Manipur have very little impact on national government formation, with just three seats for the former and two for the strife-torn state. However, these regions with substantial number of minorities or 'others' test the sincerity and commitment of the ruling government to the constitutional morality of unity in diversity.

Minority persecution

THE arrest of Hindu leader Chinmoy Krishna Das in Bangladesh on Tuesday has once again spotlighted the challenges faced by minorities in the country. Das, ISKCON leader and advocate for minority rights, was arrested on charges of sedition after allegedly...

THE arrest of Hindu leader Chinmoy Krishna Das in Bangladesh on Tuesday has once again spotlighted the challenges faced by minorities in the country. Das, ISKCON leader and advocate for minority rights, was arrested on charges of sedition after allegedly disrespecting the Bangladeshi flag — a claim his supporters contest. The arrest, coupled with the denial of bail, has sparked widespread protests, both in Bangladesh and across the border in India. The context of this unrest lies in a troubling pattern of minority persecution. Despite constitutional assurances of equality, Bangladeshi Hindus, who constitute around nine per cent of the population, frequently endure violence, vandalism and social exclusion. Reports of mob attacks on Hindu homes and temples are alarmingly common, especially during political transitions — as has been seen since Sheikh Hasina's ouster — or communal tensions. While the current unrest ostensibly revolves around Das' arrest, it underscores the



broader insecurity experienced by minorities in a state where Islam is the official religion. India's official response to the incident — urging the

interim government led by Muhammad Yunus to ensure minority safety and uphold freedom of expression and assembly — reflects its concerns for the region's stability. However, Bangladesh must recognise that addressing these issues is not merely about appeasing international pressure. The long-term solution lies in fostering inclusivity, ensuring swift justice for victims of communal violence and protecting the fundamental rights of its citizens, irrespective of faith. The onus is on Dhaka to restore trust by heeding the calls of groups like the Sammilit Sanatan Jagran Jote, which advocate for special tribunals to expedite justice for victims of persecution. Failing this, the cycle of unrest threatens to escalate, undermining Bangladesh's image as a progressive democracy. Peace and security for all minorities must be a lived reality.

Why the Anglo-Saxon West hates Russia

This is the taunting remark made by the then UK Defence Secretary Ben Wallace on February 23, 2022, even before Russia had invaded Ukraine: "The Scots Guards kicked backside of Tsar Nicholas-I in 1853 in Crimea and we can always..."

This is the taunting remark made by the then UK Defence Secretary Ben Wallace on February 23, 2022, even before Russia had invaded Ukraine: "The Scots Guards kicked backside of Tsar Nicholas-I in 1853 in Crimea and we can always do it again." He was referring to the 170-year-old Crimean War between Moscow and the tripartite forces of London, Paris and Ankara's Ottoman Empire which defeated Russia to conclude with the Treaty of Paris in 1856. The palpable hatred of the West's Anglo-Saxon people towards Russia is unmistakable.

Fast forward one month, to March 22, 2022, and one finds Joe Biden, President of the US (POTUS), blurting out another verbal bullet in Warsaw: "For God's sake, this man Putin cannot remain in power."

What message was POTUS giving to the world? Was he in charge of the regime change of Moscow and judge, jury and arbitrator, with powers of the world supercop on the prowl? Or, was he heading the sole superpower state? For a minute, however, POTUS acted like a non-state actor of a tinpot dictatorship!

True, Biden was referring to the wrong and illegal Russian invasion of the sovereign Ukraine. But, did he remember the plethora of worse wrongdoings of his own country committed in the 21st century? Again, it's true that two wrongs cannot make one right, yet one has to be rational, restrained and reticent while uttering words to make a point on an international platform dealing with such crisis situations as the Russia-Ukraine conflict.

Russia was wrong on all counts to invade Ukraine on February 24, 2022, and under no stretch of the imagination can the Moscow aggression be defended. It's a naked 18th-20th century imperial-

type aggression by the powerful to conquer the weak. Moscow had no business to trample upon Ukraine's sovereignty. Nevertheless, on closer scrutiny, it is seen that the Russian invasion of Ukraine was born of a ceaseless two-decade-plus shameless US-led NATO and EU provocation, which posed a dire and direct existential threat to Moscow's geography through her underbelly of Kiev. Hence, despite Russian President Vladimir Putin being wrong, he had reason to be wrong, and reason to be not right. It's the blatant West-plotted expansion towards the East that Russia couldn't have ignored beyond a point. All the more so because the once-sovereign USSR had already been broken into 15 states in December 1991, with Russia being one of the new states. The shrunken and weakened Russia, thus, constituted a fresh opportunity for the traditional imperialist powers of the West to get back to their favourite pastime: Of expanding territory, controlling resources and subjugating local manpower to subservience to bolster their own economy and multiply their growth chart, the way it zoomed from the 17th to the 20th century.

Today, the Russia-Ukraine war is more than a local conflict of the Balkan-Black Sea belt. The outgoing POTUS, Biden, has suddenly escalated the war, which could be potentially disastrous for Europe if it remains just a conventional conflict. However, in the unlikely event of the use of nuclear wares, one cannot predict the conflict's outcome. Indeed, whatever the



future course of the Ukraine war, Biden (the Anglo-Saxon who hates Russia), for sure, will go down as a would-have-been hero who fell as a tragic villain in the history of the USA in general and the history of European warfare in particular for escalating the war zone into a potential Armageddon. Ironically, the villain should have been Putin for initiating the war. But the role has been diametrically reversed as Biden seems to have taken over the mayhem mantle from the Moscow man. Thus, Biden has perfectly fitted into Putin's shoes by allowing US-made lethal weapons to be targeted deep into Moscow's land. Obviously, Moscow will react and go for reprisals on the source of the weapons' launch pads. And the launch pads may be

any country, but certainly not the US or the UK, the two Anglo-Saxon nations whose hatred for the eastern state of Russia constitutes permanent chapters of world history. Where, then, do things go from here? The biggest puzzle at this point in time to the world in general and the West in particular is US president-designate Donald Trump, whose dislike for Biden is too conspicuous to be ignored. Biden inherited the Trump legacy of the Afghan war endgame. And August 2021 is a bad dream come true for the new POTUS. The retreat after the 20-year war made Biden a bitter man. The October 2024 escalation of the present Ukraine war is the right punch for Biden to deliver as a revenge trophy to Trump, his 2021-predecessor-cum-2025-successor.

The short of the long story, therefore, is the revival of Anglo-Saxon versus Russia rivalry on the fringe of Europe. The imperial sea powers of the West would prefer to continue with the proxy conventional war in land owing to their inherent discomfiture to take a direct fight with a monstrous land power which has traditionally thrived on protracted conflict away from the water. The Anglo-Saxons may like to think that the long war on land would weaken the Slav Russia both economically and demographically, but that may not turn out to be so.

The dynamics of political alignments are changing rather fast, with land powers uniting to take on the comparatively smaller sea powers with diminishing demography and challenging economy.

Enviro Infra shares make strong debut, list at 49% premium over IPO price

New Delhi. Enviro Infra Engineers made a strong stock market debut on Friday, listing at a premium of nearly 49% over the issue price.

The shares opened at Rs 220 on the National Stock Exchange (NSE), marking a 48.64% jump from the IPO price of Rs 148. On the Bombay Stock Exchange (BSE), the stock listed at Rs 218, reflecting a 47.29% premium. This is even better than what the grey market premium had indicated. The Rs 650-crore IPO, priced between Rs 140 and Rs 148 per share, was open for subscription from November 22 to November 26 and saw overwhelming demand. It received bids for 2,76,83,13,747 shares against the 3,07,93,600 shares on offer, translating to an overall subscription of 89.90 times. The portion reserved for qualified institutional buyers was subscribed 157.05 times, while non-institutional investors subscribed 153.80 times. Retail investors' portion was subscribed 24.48 times. Ahead of the IPO, the company raised Rs 195 crore from anchor investors. The offering included a fresh issue of 3.87 crore equity shares and an offer for sale (OFS) of 52.68 lakh shares by promoters. The fresh issue proceeds will be used to address several financial needs: Rs 181 crore for working capital, Rs 100 crore for debt repayment, and Rs 30 crore to fund its subsidiary, EIEL Mathura Infra Engineers, for the construction of a 60-million-litre-per-day sewage treatment plant in Mathura, Uttar Pradesh.

Air India facing delays in Boeing aircraft deliveries: CEO Campbell Wilson

NEW DELHI: Air India CEO and MD Campbell Wilson said on Wednesday that the airline is experiencing delays in receiving aircraft deliveries from Boeing, largely due to a strike at the aircraft manufacturer's U.S. factory. Wilson revealed that the delivery of 50 "white tail" aircraft, initially expected to be completed by December this year, has been pushed to June 2025. "50 white tail aircraft, all of them were to come by December this year... They will stretch up to June next year and that in itself has a little bit of impact..." he said, adding that the two factors - a slowdown in production by Boeing and the strike - are likely to have contributed to the delay.

"It is not clear for how long the impact will be. Six months is reasonable for some aircraft..." Wilson added. Out of the total 50 white-tail Boeing 737 MAX aircraft, at least 35 have joined Air India's fleet. These planes are being operated by Air India Express. Generally, white-tail planes are those that were originally manufactured for a particular airline and later taken by another airline. Currently, the Air India Group operates a fleet of around 300 aircraft. It is expected to add 100 new planes between 2026 and 2027. However, Wilson noted that deliveries in 2025 will be slower compared to 2024. The CEO also highlighted the importance of domestic and short-haul international markets for Air India's growth in 2025, as the airline expands its narrow-body fleet while sending its older wide-body aircraft for retrofitting. "We had hoped to start retrofit of 787s and 777s by now. Unfortunately, the global supply chains in some areas are still recovering and seats in particular are a challenge... Once it (retrofit) starts in 2025, we will be doing 3-4 aircraft every month until the full legacy 40 wide-body aircraft are completed," Wilson said. "So, we took the view that there is an opportunity, appetite for growth in the market and that we should take it. On balance, we have taken millions of people on these aircraft. People are happy that the service exists," he noted.

In general, the penalties for such charges are less severe than bribery. Adani Group had last week denied all allegations as baseless, and said it would seek legal recourse to defend itself.

2024 'Black Friday' sale targets inflation stricken US customers

NEW DELHI. As November ends, Black Friday kicks off the US holiday shopping season, a time known for finding the best deals. However, this year, retailers are preparing for shoppers who are more focused than ever on finding the best bargains and maximizing the value of their money. Though inflation has stabilized after the substantial price hikes during the Covid pandemic, consumers are still feeling the financial strain. Consequently, bargain-hunting strategies like grabbing early giveaways and waiting for last-minute steals have become a trend.

Vivek Pandya, leading insights analyst at Adobe Digital Insights told AFP that as compared to previous years, 2024 holiday shoppers are "even more preoccupied and very focused around value and discounts." "We do see stronger price sensitivity on the part of the consumer and they are very responsive to deals and event-tie deals," he said. This year, consumers have eagerly participated in special discount events like Memorial Day sales and Amazon's "Prime Day."

Black Friday, marking the beginning of the gifting season, falls the day after Thanksgiving and kicks off a busy shopping weekend that also includes "Small Business Saturday" and "Cyber Monday."

To combat the ever evolving concern of inflation, major retailers like Target have shifted their "Black Friday" promotions to October or even earlier. Consumer prices on average were 22 percent higher in August 2024 compared with January 2020, according to Pew Research, and popular discontent with inflation is one reason Donald Trump won the US presidency in November. In August 2024, prices surged by an average of 22 percent compared to January 2020, according to Pew Research. Inflation is also believed to have played a role in Donald Trump's victory in the November elections.

Inflation continues to influence retailers' discounting strategies as they aim to meet the demands of the market. At Target, shoppers have become accustomed to gathering at the chain's "Circle Week" savings events, held almost once every quarter. These events have resulted in reduction in purchases a week before and after the events, as per the executives. After a lengthy period of inflation, "consumers tell us their budgets remain stretched," Target CEO Brian Cornell told analysts.

Global Capability Centres to pay 50% higher salary than non-tech sectors

For FY25, GCCs are prioritising roles like penetration tester, data scientist, full-stack developer, software developer and customer success specialist.

BENGALURU. With the increase in the number of Global Capability Centres (GCCs) in the country, the job opportunities that they provide have also surged over the years. An analysis by TeamLease Digital reveals that GCCs are estimated to pay premium salaries in the Software Development domain, which is over 50% more than IT Products & Services and non-tech sectors. Employers are now preferring candidates with AI/ML skills in software development,



and due to this, entry-level positions in this domain are expected to see an average salary of Rs 9.37 lakh per annum in GCCs, followed by Rs 6.23 LPA in IT products & services, and Rs 6 LPA in non-tech sectors by the end of FY25. For FY25, GCCs are prioritising roles such as Penetration Tester, Data Scientist, Full Stack Developer, Software Developer, and Customer Success Specialist. The IT Products & Services sector is seeking Big Data Developers, IT Auditors, RPA

Business Analysts, Cloud Security Engineers, and IoT Engineers, says the analysis. It says non-tech sectors are focusing on roles like Data Engineer, SAP ABAP Consultant, Cloud Support Engineer, Cybersecurity Analyst, and Automation Engineer. In cybersecurity and network administration domain, a critical field ensuring IT infrastructure protection, GCCs are expected to lead with an average salary of Rs 9.57 lakh per annum, which is 40.12% higher than their

IT counterparts, showcasing the critical need for expertise in identifying vulnerabilities and mitigating risk exposure, while IT products and services may offer Rs 6.83 LPA, and non-tech sectors 5.17 LPA. eeti Sharma, CEO, TeamLease Digital, said, "India's entry-level job market is witnessing dynamic changes. While IT Services have seen a slowdown in fresher and entry-level hiring over the last 2-3 years, it is the GCCs and non-tech sectors that have emerged as the torchbearers for welcoming young talent and offering rich opportunities." "GCCs are expected to lead the way, offering premium salaries, particularly in roles like Penetration Testing and Data Science, with average packages reaching Rs 11.8 LPA. This surge can be attributed to the rapid expansion of GCCs in India employing more than 1.66 million people and their need to maintain global standards," Sharma added. Data scientists, full-stack developers in demand for FY25, GCCs are prioritising roles like penetration tester, data scientist, full stack developer.

Enviro Infra makes solid market debut: Should you hold or book profit

New Delhi. Enviro Infra Engineers made an impressive debut on the stock market, listing at a nearly 49% premium to its IPO price of Rs 148. On Friday, the stock opened at Rs 220 on the National Stock Exchange (NSE), a 48.64% rise, and at Rs 218 on the Bombay Stock Exchange (BSE), reflecting a 47.29% premium. Shares of Enviro Infra Engineers have dipped slightly following their strong listing, prompting investors to weigh whether to hold onto their shares or book profits.

SHOULD YOU HOLD OR BOOK PROFIT?

While the initial listing offers a strong start, experts suggest a cautious approach. According to Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart, the company's future performance hinges on project execution, regulatory developments, and competition.

"The company's focus on sustainable infrastructure and its strong track record in executing projects have contributed to this impressive listing. However, investors should remain



cautious and monitor the company's performance closely, considering factors such as project execution risks, regulatory changes, and competition in the sector," Nyati said. "While the initial listing is promising, long-term success will depend on Enviro Infra's ability to capitalize on its growth opportunities and deliver strong financial performance. But, as of now, investors may hold their position by keeping a stoploss at around Rs 200," she added.

ENVIRO INFRA IPO DETAILS

The Rs 650-crore IPO saw overwhelming demand during its subscription period

from November 22 to November 26, achieving an overall subscription of 89.90 times. The qualified institutional buyer category was subscribed 157.05 times, while non-institutional investors subscribed 153.80 times. Retail investors also showed keen interest, with their segment subscribed 24.48 times. Enviro Infra specialises in turnkey projects for water and wastewater treatment plants, sewage systems, and water supply schemes. Its processes are zero-liquid-discharge compliant, enabling treated water to be repurposed for horticulture, industrial washing, and refrigeration.

Proceeds from the IPO will address several financial priorities. The company plans to allocate Rs 181 crore for working capital, Rs 100 crore for debt repayment, and Rs 30 crore towards its subsidiary's sewage treatment plant project in Mathura, Uttar Pradesh. The remaining funds will be used for general corporate purposes.

Experts see GDP growth below 6.5% in second quarter

NEW DELHI. Ahead of the release of official GDP numbers for the second quarter of FY25, economic analysts present varied estimates ranging from 6.2% to 6.9%. The outlook reflects contrasting indicators from various sectors of the economy, highlighting both structural challenges and potential growth drivers. The Q2 GDP numbers will be announced on Friday by the Ministry of Statistics and Programme Implementation. ICRA has projected GDP growth to dip to 6.5% in Q2 from 6.7% in Q1FY25. It attributes the drop to heavy rains and weak margins offsetting buoyancy injected by turnaround in government capex and healthy trends in kharif sowing. "Several sectors (in Q2) faced headwinds on account of rainfall, which affected mining activity,

electricity demand and retail footfalls and a fall in goods exports. Margins appear to have weakened for corporates in various sectors in Q2. As a result, we project slight dip in India's GVA and GDP growth in Q2FY25 to 6.6% and 6.5%, respectively," says Aditi Nayar, chief economist, head-research & outreach, ICRA. DK Srivastava from EY raises concerns about CPI inflation rate, which stood at 6.2% in October, alongside an expected lower GDP growth of 6.5% for Q2. He said, "Main reason for growth slowdown is contraction in government's capex at (-)15.4% during April-September 2024." Srivastava advocates for a prioritisation of fiscal policy actions, stating, "Accelerated government investment expenditure should be

given the highest priority while monetary policy action may be delayed beyond December 2024." Gaura Sen Gupta, chief economist, IDFC First Bank, pegs Q2 GDP growth at 6.2% due to moderation in manufacturing sector growth. Listed companies results show fall in profit in Q2 with slowdown in revenue. Urban demand weakness persists with softer FMCG sales growth, consumer goods production and fall in passenger vehicle sales," she added. Madhavi Arora, chief economist at Emkay Global, suggests Q2 GDP may come in at 6.3%. He stated, "Urban wage bill growth has been declining on real basis for over one-and-a-half years and currently is well below five-year pre-COVID average of 9%.



crore after days of buying is hard to explain. Whether this is a one-off or signals a broader trend will be clear in the coming days. Investors are advised to adopt a cautious wait-and-watch approach." He also noted that the inclusion of 45 new stocks in the F&O segment could trigger stock-specific action starting today. For long-term investors, Vijayakumar recommended accumulating large-cap stocks in sectors such as financials, IT, capital goods, and telecom, emphasizing that a "buy-on-dips" strategy may not yield immediate gains but could be rewarding over a medium to long-term horizon.

No delays in banking, Aadhaar OTP messages due to new traceability rules: TRAI

As the new deadline approaches, a video circulating on social media claimed that OTP and banking messages could be delayed due to the introduction of the new technology.

NEW DELHI. The Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) has assured consumers that there will be no disruptions in the delivery of essential net banking and Aadhaar OTP messages starting December 1, as the new traceability rules are implemented.

To combat the growing issue of cybercrime, TRAI had introduced a rule



on October 1 requiring telecom service providers to establish a system for tracking the origins of bulk messages. The original deadline for implementing these measures was set for October 31 but was later extended to November 30 due to technical challenges faced by operators. As the new deadline approaches, a video circulating on social

media claimed that OTP and banking messages could be delayed due to the introduction of the new technology. In response, TRAI clarified that there will be no delay in the delivery of any messages. "This is factually incorrect. TRAI has mandated the Access Providers to ensure message traceability. It will not delay delivery of any

message," said TRAI, in a social media post. The TRAI has directed telcos, including Reliance Jio, Bharti Airtel, and Vodafone Idea, to implement message traceability in their systems. This measure aims to identify the source of bulk SMS traffic and is designed to curb the spread of fraudulent messages. Once the system is in place, authorities will be able to take action against the originators of such schemes. Initially, telecom companies expressed concerns about the technical complexities involved in deploying new system. However, TRAI has emphasized that the implementation of message traceability will not cause any delays in message delivery. In August, TRAI also took several steps to curb promotional calls, including penalties for offenders, such as the disconnection of telecom resources, blacklisting for up to two years, and restrictions on obtaining new resources during that period.

Ex Bureaucrat, Former Top Cop, Retired Judge: Who's On Sambhal Mosque Body

New Delhi. Uttar Pradesh Governor Anandiben Patel constituted a three-member Judicial Inquiry Commission, to be headed by Justice Devendra Kumar Arora (Retired), to probe the violence in Uttar Pradesh's Sambhal, ahead of an Archaeological Survey of India examination of a Mughal era mosque. He other two members of the commission are retired IAS Amit Mohan Prasad and retired IPS Arvind Kumar Jain.

Scope Of Inquiry

The commission will submit a report on whether the incident was planned or a "sudden" event, and also on the effectiveness of law and order arrangements made by the District Administration and police. The committee will also give suggestions regarding non- recurrence of such type of incidents in future. The commission will submit its report in two months.

About Justice Arora

Justice Devendra Kumar Arora, a retired judge of Allahabad High Court, has served as the chairman of UP Real Estate Regulatory Authority (RERA). Justice



Arora is a law graduate from Lucknow University and holds a PG Diploma degree in Labor Law from Indian Law Institute, New Delhi. After practicing law in the Allahabad High Court, he was appointed as an additional judge in the High Court on 13 February, 2009 and became a regular judge from 24 December, 2010. He retired in 2019 and immediately after retirement, he was

appointed the chairman of RERA by the Chief Minister Yogi Adityanath-led government.

About Amit Mohan Prasad

As per his LinkedIn profile, Mr Prasad joined the Indian Administrative Service in August 1989, going on to serve in various positions, including as the District Magistrate of

Jalaun, Mirzapur, Muzaffarnagar and Meerut. During his tenure, he oversaw the conduct of three Lok Sabha and one Vidhan Sabha elections in these four districts.

In 2015, he started Direct Benefit Transfer in Agricultural Subsidies. He also developed the cluster model of Covid vaccination in February 2020, when he was Additional Chief Secretary of Medical, Health and Family Welfare Department

About Arvind Kumar Jain

Mr Jain, a 1979 cadre officer, was took charge as the Director General of Uttar Pradesh Police in 2015. His appointment came just two months ahead of his retirement. However, the government extended his tenure by another three months. He holds an MA in Modern History and hails from Saharanpur.

Post a comment

Meanwhile, the Supreme Court on Friday will hear a plea by the Committee of Management of Jama Masjid in Sambhal against the November 19 order of the local court for the survey of the mosque. Four people died in the November 24 violence.

Bishnoi Gang's Favourite Destination What Delhi Salon Shooter Said

Bishnoi Gang's Favourite Destination?

What Delhi Salon Shooter Said
The fake passport accessed by NDTV shows that Harsh's name was written as Pradeep Kumar and it was issued from Punjab's Jalandhar on March 26.

New Delhi. Members of the notorious Lawrence Bishnoi gang and other wanted criminals prefer to hide in the US, a sharpshooter of the group who was arrested for killing two at a Delhi salon has told the police.

The accused man, Harsh alias Chintu, has reportedly told the police that these gangsters enter America using fake passports by the "donkey route", the term that describes travelling from one place to another to migrate illegally.

That is believed to be the route taken by several gangsters, including Goldy Brar, Anmol Bishnoi, Rohit Godara, Monty Mann, and Pawan Bishnoi, who are currently in the US.

22-year-old Harsh was arrested on Thursday from the Delhi airport, where he arrived to arrange for another fake passport, officials said.

The fake passport accessed by NDTV shows that Harsh's name was written as Pradeep Kumar and it was issued from Punjab's Jalandhar on March 26. According to the police, Harsh left India on June 9 from Amritsar Airport and flew to Sharjah before heading to Azerbaijan on August 27, where he remained for several months.

Delhi salon shooting incident

On February 9, two people, identified as Sonu Tehlan and Ashish Tehlan, were shot multiple times in front of other customers and workers. The attackers fled after the attack

During investigations, the shooters were identified as Sanjeev Kumar or Sanju Dahiya and Harsh - both were previously involved in criminal cases and declared proclaimed offenders. The police had also offered a reward of ₹ 50,000 for their arrest. Listen to the latest songs, only on JioSaavn.com The police had issued a lookout circular - or airport alert - for Harsh, whose alleged motive for the shootings was that the victims were leaking information on him.

Post a comment

Harsh had been operating on the orders of gangster Yogesh (aka Tunda), who had taken over the Gogi gang after its leader's murder. Harsh is also known to have been involved in extortion activities and had previously been arrested in connection with an extortion case. He was also recently involved in threatening several businessmen in Delhi and demanding money in the name of gangster Yogesh, reported news agency PTI.

Indian Coast Guard rescues 10 stranded in Tamil Nadu amid cyclonic weather

New Delhi. The Indian Coast Guard (ICG) saved six fishermen and four jetty workers stranded off the Cuddalore coast amid cyclonic weather on Thursday. The operation followed a request from the Tamil Nadu



State Authorities, who sought assistance as deteriorating conditions and lack of road access to the location made evacuation impossible by conventional means. The six fishermen from Thaikkal Thonithurai village had ventured into the sea in private boats, which were damaged and sank due to rough weather. They, along with four workers at the abandoned Chemplast jetty located about 2 km off Chitrapettai village, found themselves stranded as the weather worsened. Responding swiftly, the ICG Regional Headquarters (East) deployed an Advanced Light Helicopter from the Coast Guard Air Station in Chennai. Braving adverse weather conditions caused by the ongoing cyclonic activity, the helicopter crew carried out the search and rescue mission with precision, evacuating all 10 individuals safely to Chitrapettai.

90% Top Indian Firms Favour Work From Office, More Than World Average: Survey

New Delhi. India demonstrates a strong preference for office-based work, with 90 per cent of organizations requiring employees to work from the office for at least three days a week, according to a survey by JLL, a global real estate services firm. This figure surpasses the global average of 85 per cent, placing India among the top advocates for office-based work.

The survey added, "This trend is expected to strengthen, with 54 per cent of organizations in India (43 per cent globally) anticipating an increase in office days by 2030." Indian workplaces are undergoing significant transformation as businesses increasingly adopt Artificial Intelligence (AI) in their operations. According to the survey, 95 per cent of business decision-makers in India plan to accelerate investments in AI over the next five years. The survey highlighted how AI is reshaping workforce operations and revolutionizing the design and management of workspaces.

"A staggering 94 per cent of businesses foresee AI changing their workforce operations, with 95 per cent planning to accelerate AI investments over the next five years," the survey stated. This study is part of a global research initiative that surveyed over 2,300 Corporate Real Estate (CRE) and business decision-makers. The survey also highlighted the growing emphasis on sustainability in the corporate sector. About 77 per cent of respondents indicated plans to increase spending on sustainability initiatives, while 70 per cent reported having well-defined programs aimed at reducing their environmental footprint. Furthermore, nearly 50 per cent of organizations expressed a willingness to pay a premium for buildings with top-tier green certifications by 2030. Despite the positive trends, challenges persist. Nearly 44 per cent of CRE leaders reported difficulties in long-term planning due to the rapidly changing organizational landscape. Another 46 per cent identified limited integration with other business units as a significant hurdle in delivering optimal value. The survey emphasized that fostering partnerships and aligning corporate goals with CRE objectives is crucial for achieving portfolio efficiency and future-ready workplace solutions. It paints a promising picture of India's workplace evolution, driven by technology and sustainability, while also highlighting areas requiring attention for smoother transitions.

India's 1st hydrogen powered train to run between Jind, Sonipat stations

New Delhi. Indian Railways is set to achieve another milestone with the launch of the country's first hydrogen-powered train. This innovative train will soon undergo a trial run between Haryana's Jind and Sonipat railway stations. The Research, Design, and Standard Organisation (RDSO) has developed the design for the train. With this breakthrough, India will join a select group of countries that have initiated the use of hydrogen as fuel for trains. Notably, this will be the first large-scale attempt globally. The design for India's first hydrogen-fuelled train is now complete. Following necessary formalities, the train is expected to undergo its final trial in the first quarter of the upcoming year. RDSO, a key wing of Indian Railways, developed the train's design with a focus on modern utility and innovation. The design was finalised and released in December 2021, and work on the project has been ongoing since then. Operations could begin as early as the first quarter of next year.

RDSO DEVELOPS THE DESIGN

The design was unveiled at the

International Innovative Rail Expo held in Lucknow. Highlighting the features, RDSO Director General Uday Borwankar stated, "RDSO consistently focusses on new and innovative projects. While hydrogen fuel has been tested in road transport globally, its use



in rail transport has not achieved significant success. India's efforts in this direction will certainly be a major achievement, especially as it aligns with the vision of sustainable energy."

TRAIN FEATURES: 8 PASSENGER COACHES, CAPACITY FOR 2,638 PASSENGERS

Although the hydrogen train does not have a name yet, the RDSO-designed model features 8 passenger coaches capable of carrying 2,638 passengers

Sambhal case: Supreme Court pauses trial court action until High Court's order

The Supreme Court's order comes days after violence broke out in Sambhal, killing five people, following a court-mandated survey of the Mughal-era Jama Masjid.

NEW DELHI. The Supreme Court on Friday asked the trial court in Uttar Pradesh's Sambhal not to proceed with the mosque survey case till the Shahi Idgah committee of the Jama Masjid moves the High Court. The top court's order comes days after violence broke out in Sambhal, killing five people, following a court-mandated survey of the mosque.

A bench of Chief Justice of India (CJI) Sanjiv Khanna and Justice PV Sanjay Kumar also directed that the report of the commissioner, who conducted the survey of the mosque, should be kept in a sealed cover and should not be opened in the meantime.

"Let this be pending. We want peace and harmony. You (petitioner) approach the High Court. Till then, let the trial court not take any action," CJI said. The Supreme Court's order came on a plea filed by the Sambhal Shahi Jama Masjid Committee challenging the order passed by the trial court



commissioning the survey of the mosque. The trial court order came following claims that the mosque was built by Mughal emperor Babar in 1526 after demolishing a temple that stood there. The top court said the petition filed by the mosque committee before the High Court should be listed within three working days. The Supreme Court, however, kept the committee's plea before it pending and ordered it to be listed in the

week starting January 6, 2025. "We clarify we have not expressed any opinion on the merits of the matter. We are not disposing of the present plea. Re-list in the week commencing January 6, 2025," the court said.

Appearing for the mosque committee, senior advocate Huzefa Ahmadi told the top court that the trial court order was capable of causing "great public mischief". "Ten suits are pending across the length and breadth of the country... the modus operandi is on the first day only, the surveyor is appointed," he said. The Supreme Court asked the trial court to not take any steps till January 8 while asking the district administration to ensure peace and harmony. "We do not want anything to happen. See Section 43 of the mediation act... the district should form mediation committees. We have to be absolutely neutral," the court further said.

Cameras In Corbett National Park Being Misused To Intimidate Women: Study

New Delhi. Cameras and drones originally planted in Corbett National Park for conservation activities, such as monitoring animals, are being deliberately misused by local government officials and men to surveil women without consent, a study has found.

The study, published in the journal Environment and Planning F, revealed that forest rangers intentionally flew drones over local women to scare them and prevent them from collecting natural resources, despite their legal entitlement to do so. A total of 270 residents around the Corbett Tiger Reserve in Uttarakhand, including women, were interviewed over 14 months by researchers from the University of Cambridge, UK.

"We argue that the use of digital technologies for forest governance, such as camera traps and drones, tends to transform these forests into masculinised spaces that extend the patriarchal gaze of society into the forest," the authors wrote in the study. Researcher and lead author Trishant Simlai reported that the women,

who had previously found sanctuary in the forest away from their men-dominated villages, told him they felt watched and inhibited by camera traps, causing them to talk and sing much more quietly. This, he said, increases the chances of surprise encounters with potentially dangerous animals, such as elephants and tigers. The national park is known to provide respite to women, who, in addition to gathering firewood, spend long hours there to escape difficult situations at home, such as violence and alcoholism. They often share their stories and express themselves through traditional songs, the researchers said. The women told Simlai that new surveillance technologies, deployed under the guise of wildlife monitoring projects, were being used to intimidate and exert power over them -- by monitoring them as well. "A photograph of a woman going to the toilet in the forest -- captured on a camera trap supposedly for wildlife monitoring -- was circulated on local Facebook and



WhatsApp groups as a means of deliberate harassment," Trishant Simlai, a researcher at the University of Cambridge's Department of Sociology, said.

Simlai discovered that local women form strong bonds while working together in the forest, singing while collecting firewood to deter attacks by elephants and tigers. When women see camera traps, they feel inhibited because they don't know who's watching or listening to them, resulting in them behaving differently,

often becoming much quieter, which puts them in danger, he added. One woman he interviewed has since been killed in a tiger attack, Simlai said. "Nobody could have realised that camera traps put in the Indian forest to monitor mammals actually have a profoundly negative impact on the mental health of local women who use these spaces," Simlai said. Co-author Chris Sandbrook, a conservation social scientist and professor of conservation and society at the University of Cambridge, said, "These findings have caused quite a stir in the conservation community. It's very common for projects to use these technologies to monitor wildlife, but this highlights the need to ensure they're not causing unintended harm." Surveillance technologies that are supposed to track animals can easily be used to watch people instead - invading their privacy and altering the way they behave, Sandbrook said.

NEWS BOX

Brazil's Bolsonaro hoping Trump will aid political comeback: Report

WASHINGTON. Brazil's ex-president Jair Bolsonaro is hoping that incoming US leader Donald Trump will support his political comeback in 2026 elections, according to an interview published Thursday, despite facing charges over an alleged coup plot.

The Wall Street Journal reported that Bolsonaro is banking on Trump pressuring Brazilian judges to delay enforcing a court ruling that bars him from office until 2030 for baselining trashing Brazil's voting system ahead of the 2022 elections he lost.

"Trump is back, and it's a sign we'll be back too," said Bolsonaro, who the newspaper reported had been in close contact with the Republican since his US election victory in early November. A spokesperson for Trump's incoming administration did not respond to a request for comment, the Wall Street Journal said.

Bolsonaro -- a hard-right populist widely dubbed the "Tropical Trump" during his 2019-2023 term -- has remained politically active since leaving office, recently campaigning for the right-wing Liberal Party ahead of October municipal elections. Like Trump, he has blamed his legal issues on apparent political persecution. Brazilian police have accused Bolsonaro of participating in a 2022 plot to prevent President Luiz Inacio Lula da Silva from taking office, and of being aware of an alleged plan to assassinate the incumbent. He is accused alongside 36 other people named as co-conspirators in a police report made public this week. Brazil's attorney general is examining the allegations to see if the evidence supports the charges.

Taiwan Reports Surge In Chinese Military Activity, Detects 33 PLA Aircraft

World Taiwan's Ministry of National Defense (MND) on Friday reported an increase in Chinese military activity around the island, detecting over 30 PLA aircraft and 8 PLAN vessels around Taiwan.

The details were shared in a post on X.

"33 PLA aircraft and 8 PLAN vessels operating around Taiwan were detected up until 6 a.m. (UTC+8) today. 21 of the aircraft crossed the median line and entered Taiwan's northern, southwestern and eastern ADIZ. We have monitored the situation and responded accordingly." Chinese incursions around Taiwan have increased recently. In response, Taiwan has stepped up security along its maritime borders. Taiwan's armed forces conducted a comprehensive air defense drill on Thursday as China reportedly prepares for its third large-scale military exercise, Joint Sword-2024C, near Taiwan. The drill, which involved air, naval, and missile defense units, was conducted to strengthen readiness against potential aerial and missile threats, according to Taiwan News. The Air Force Command stated that the exercise took place from 5 am to 7 am, deploying fighter jets, naval vessels, and air defence missile systems. Aircraft such as the Indigenous Defence Fighter (IDF), Mirage 2000, F-16, and C-130 transport planes were utilised, along with ground-based air defence missile units. Recently, Taiwanese President, Lai Ching-te attended the completion ceremony for the #ROCN Shuei-Sing Barracks. The base will serve as the new home for the Taiwanese Navy Underwater Operations Unit and enhance its training capabilities.

Taiwan President Lai Ching-te convened a high-level national security conference in which he assured the public about the government's commitment to neutralising any threat to Taiwan's democracy and security after China staged a large-scale military drill around the island. He made his remarks in response to the Chinese People's Liberation Army's (PLA) announcement of military drills, named "Joint Sword-2024B," in the Taiwan Strait and surrounding areas, which were described as a "stern warning" to advocates of Taiwan independence, according to the Taipei Times.

Putin: Russia will use all weapons at disposal if Ukraine gets N-arms

World President Vladimir Putin said Thursday that Russia would use all weapons at its disposal against Ukraine if Kyiv were to acquire nuclear arms. The NYT reported last week that some unidentified Western officials had suggested US President Joe Biden could give Ukraine nuclear weapons before he leaves office. If the country which we are essentially at war with now becomes a nuclear power, what do we do? We will use all means of destruction available to Russia," Putin said at a presser in Kazakhstan. "If officially someone were to transfer something, then that would mean a violation of all the non-proliferation commitments they have made," Putin said. He also said it was practically impossible for Ukraine to produce a nuclear weapon, but that it might be able to make some kind of "dirty bomb", a conventional bomb laced with radioactive material. In that case, Russia would respond appropriately, he said. Putin also said that Russia may use its new Oreshnik hypersonic missile to attack "decision-making centres" in Kyiv in response to Ukraine's firing of Western missiles at Russian territory. Russia has not so far struck Ukrainian ministries, parliament or president's office in the 33-month war.

Kyiv is heavily protected by air defences, but Putin says the Oreshnik, which Russia fired for the first time at a Ukrainian city last week, is "incapable of being intercepted". "At present, the ministry of defence and the general staff are selecting targets. These could be military facilities, defence and industrial enterprises, or decision-making centres in Kyiv." Putin praised US Prez-elect Trump as an experienced and intelligent politician, but said he did not believe he was safe. Putin said he had been shocked by the way the US election campaign had unfolded.

Saudi Arabia to host UN talks on drought, desertification

Saudi Arabia is aiming to restore 40 million hectares of degraded land.

← A picture shows a view of the Al-Ghat National Park on November 28, 2024.

RIYADH. Saudi Arabia will host the COP16 UN conference on land degradation and desertification next week as the top oil exporter pitches itself as an environmental defender despite criticism of its role at climate talks. UN Secretary-General Antonio Guterres has called the meeting for the United Nations Convention to Combat Desertification (UNCCD) a "moonshot moment" to protect and restore land and respond to drought. Activists accused Saudi Arabia, the world's biggest oil exporter, of trying to water down calls to phase out fossil fuels at last week's COP29 UN climate talks in Azerbaijan.

However, the subject of desertification is

close to home for the Gulf kingdom, which has one of the biggest deserts on the planet. "We are a desert country. We are exposed to the harshest mode of land degradation which is desertification," deputy environment minister Osama Faqeha told AFP. "Our land is arid. Our rainfall is very little. And this is the reality. And we have been dealing with this for centuries." Land degradation disrupts ecosystems and makes land less productive for agriculture, leading to food shortages and spurring migration. Land is considered degraded when its productivity has been harmed by human activities like pollution or deforestation. Desertification is an extreme form of degradation. The last gathering of parties to the convention, in Ivory Coast in 2022, produced a commitment to "accelerating the restoration of one billion hectares of degraded land by 2030". But the UNCCD, which brings together 196 countries and the European Union, now says 1.5 billion hectares (3.7 billion acres) must be restored by decade's end to combat crises including escalating droughts. Saudi Arabia is aiming to restore 40 million hectares of degraded land, Faqeha told



AFP, without specifying a timeline. He said Riyadh anticipated restoring "several million hectares of land" by 2030. So far 240,000 hectares have been recovered using measures including banning illegal logging and expanding the number of national parks from 19 in 2016 to more than 500, Faqeha said. Other ways to restore land include planting trees, crop rotation, managing grazing and restoring wetlands. The COP29 climate talks yielded a hard won \$300 billion climate finance deal that poorer nations most at risk of worsening disasters dismissed as insultingly low. UNCCD executive secretary Ibrahim Thiaw told AFP he hoped COP16 would result in an agreement to

accelerate land restoration and develop a "proactive" approach to droughts. "We have already lost 40 percent of our land and our soils," Thiaw said. "Global security is really at stake, and you see it all over the world. Not only in Africa, not only in the Middle East." Faqeha said he hoped the talks would bring more global awareness to the threat posed by degradation and desertification. "If we continue to allow land to degrade, we will have huge losses," he said. "Land degradation now is a major phenomenon that is really happening under the radar." Saudi Arabia's high oil production, resulting in eye-watering profits for oil giant Aramco, routinely draws the ire of climate activists. But its exposure to desertification could give it more credibility during the Riyadh talks. "With the desertification fight, (Saudi Arabia is) not necessarily directly contributing to the problem, whereas with climate change, it obviously is," said Patrick Gale, senior fossil fuels investigator for Global Witness.

"Saudi Arabia can, with some legitimacy, claim to be standing up for the little guy when it comes to desertification, because it is directly affected."

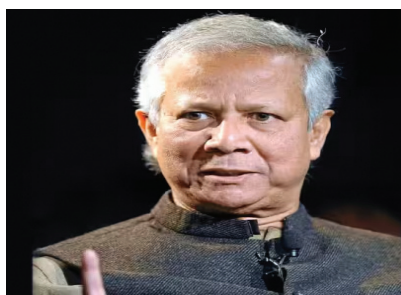
No Minority Feels Safe In Bangladesh': Former USCIRF Commissioner Says Muhammad Yunus Is 'Failing'

Washington DC. Johnnie Moore, former Commissioner of the United States Commission on International Religious Freedom (USCIRF), has slammed the Bangladesh interim government over the situation of Hindus and other minorities in Bangladesh, saying "there isn't a minority in the country that doesn't feel under threat right now" and that "Muhammad Yunus is failing."

In an interview with ANI, Moore said it is the government's first responsibility to protect those under threat. He also said that this is a moment of "existential threat not only for the minorities of Bangladesh but for the entire country". Moore criticised the arrest of priest Chinmoy Krishna Das by Bangladesh Police and said perception among minorities is "if they'll go after him, they'll go after any of us". The former USCIRF Commissioner said the global Christian community stands with the Hindu community in Bangladesh.

"Bangladesh isn't just a Muslim country. It's a Muslim-majority country that has many, many minorities. There isn't a minority in the country that doesn't feel under threat right now. That's been globally evident in recent days as this high-profile arrest has taken place of not just a leader of the Hindu

Bangladeshi community, but really a very serious religious figure. I think the perception is if they'll go after him, they'll go after any of us. I want to be crystal clear, that the global Christian community stands with the Hindu



community in Bangladesh. It is the first responsibility of a government to protect those under threat. The religious minorities of Bangladesh are really feeling it now and they deserve our support," he said. We're not sure who's really doing this, but let me just say, the way I see it, Muhammad Yunus is failing. That's what's happening in Bangladesh now. As, the leader of the country, as the interim leader of the country, there are no aspirations for the Bangladeshi people. If you can't manage a very, very simple component

of civil society, which is you have to protect people, people have to be safe. If the rule of law becomes so inefficient that instead of getting due process, a lawyer is killed. This is unbelievable. I was astonished by the response of Mr Yunus in the Bangladeshi government. They are saying this is exaggerated. They're saying that this isn't as big a deal as it seems," he added.

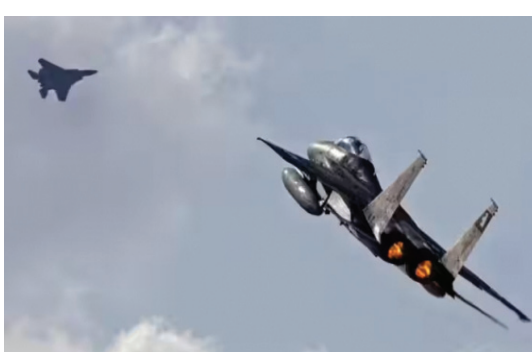
Moore said the visuals and the reports that are coming out of Bangladesh show that how a Hindu priest was first arrested then he was denied bail by the local court. "Then the lawyer defending the priest was killed amid protests outside the court where the lawyer was hacked to death by protesters, dragging him out of his chamber. It's become a major rallying point in the country," Moore said.

"As the leader of the country, as the interim leader of the country, there are no aspirations for the Bangladeshi people if you can't manage a very, very simple component of civil society, which is you have to protect people. People have to be safe. And you certainly, you certainly cannot have a vibrant democratic country...if the rule of laws becomes so inefficient that instead of getting due process, a lawyer is killed," he added.

Israeli Fighter Jet Launches Airstrike In Lebanon Amid Ceasefire

Jerusalem. An Israeli fighter jet launched an airstrike in southern Lebanon, said the Israel Defense Forces (IDF) in a statement, claiming the attack aimed to "thwart a threat."

This is reportedly the first strike of its kind took place on Thursday since the ceasefire deal between Israel and Hezbollah in Lebanon took effect early Wednesday morning, Xinhua news agency reported. The IDF statement said that "terrorist activities were identified in a facility used by Hezbollah to store mid-range rockets in southern Lebanon," adding, "The IDF troops are deployed in southern Lebanon, operating to prevent any violation of the ceasefire." Earlier on Thursday, the IDF confirmed that it conducted a drone strike in southern Lebanon in the morning, describing it as a warning shot. The IDF said several "suspects," some with vehicles, entered areas in



southern Lebanon, violating the ceasefire agreement. In response, the military fired a warning shot near a vehicle in the Markaba area, aiming to deter it without causing casualties. However, Lebanese military sources reported that at least two individuals were injured due to the strike.

Meanwhile, unnamed official and military sources in Lebanon reported four additional injuries in a series of

Israeli attacks on the village of Taybeh in southern Lebanon, accusing the Israeli army of breaching the truce.

They added that more such attacks took place in the towns of Al-Bissariye, Shebaa, and Khiam, as well as in the villages of Kfarchouba, Halta, Tayr Harfa, Mays al-Jabal, Kafar Kila, and Aitaroun.

Although a cautious calm prevailed across the border areas in southern Lebanon since the entry into force of a ceasefire between Hezbollah and the Israeli army at 4:00 a.m. local time on Wednesday, the two sides have been trading accusations of ceasefire violations. Stay informed on all the latest news, real-time breaking news updates, and follow all the important headlines in India news and world News on Zee News.

Israel launches airstrike on Lebanon day after ceasefire, says Hezbollah violated truce

Israel said they were violating the ceasefire agreement, without providing details. Lebanon's state-run National News Agency said two people were wounded.

BEIRUT. The Israeli military on Thursday said its warplanes fired on southern Lebanon after detecting Hezbollah activity at a rocket storage facility, the first Israeli airstrike a day after a ceasefire between Israel and Hezbollah took hold. There was no immediate word on casualties from Israel's aerial attack, which came hours after the Israeli military said it fired on people trying to return to certain areas in

southern Lebanon. Israel said they were violating the ceasefire agreement, without providing details. Lebanon's state-run National News Agency said two people were wounded. The back-to-back incidents stirred unease about the agreement, brokered by the United States and France, which includes an initial two-month ceasefire in which Hezbollah militants are to withdraw north of the Litani River and Israeli forces are to return to their side of the border. The buffer zone would be patrolled by Lebanese troops and U.N. peacekeepers.

On Thursday, the second day of a ceasefire after more than a year of bloody conflict between Israel and Hezbollah, Lebanon's state news agency reported that Israeli fire targeted civilians in Markaba, close to the border, without providing further details. Israel said it fired artillery in three other locations near the border. There were no immediate reports of casualties. An



Associated Press reporter in northern Israel near the border heard Israeli drones buzzing overhead and the sound of artillery strikes from the Lebanese side. The Israeli military said in a statement that "several suspects were identified arriving with vehicles to a number of areas in southern Lebanon, breaching the conditions of the ceasefire." It said troops "opened fire toward them" and would "actively enforce violations of the ceasefire agreement." Israeli officials have said forces will be withdrawn

gradually as it ensures that the agreement is being enforced. Israel has warned people not to return to areas where troops are deployed, and says it reserves the right to strike Hezbollah if it violates the terms of the truce. A Lebanese military official said Lebanese troops would gradually deploy in the south as Israeli troops withdraw. The official spoke on condition of anonymity because they were not authorized to brief media. The ceasefire agreement announced late Tuesday ended 14 months of conflict between Israel and Hezbollah that began a day after Hamas' Oct. 7, 2023 attack out of Gaza, when the Lebanese militant group began firing rockets, drones and missiles in solidarity. Israel retaliated with airstrikes, and the conflict steadily intensified for nearly a year before boiling over into all-out war in mid-September. The war in Gaza is still raging with no end in sight.

NEWS BOX

Joe Root out for duck in 150th Test, goes past Virat Kohli on unwanted WTC list

New Delhi. Star England batter Joe Root endured a bitter milestone in his storied career during the first Test against New Zealand at Hagley Oval. Root, playing his 150th Test match, was dismissed for a four-ball duck by New Zealand debutant Nathan Smith. Root's dismissal, his 13th in Test cricket and eighth in the World Test Championship (WTC) era, elevated him to an unenviable list of batters with the most ducks in the WTC, surpassing the likes of Virat Kohli and Steve Smith, both of whom have seven. This lean patch continues a difficult run for Root, who has scored just 90 runs in five innings since his double-century against Pakistan in Multan.

Smith, a debutant seamer, had a dream start, dismissing England's Jacob Bethell and Root in the same over, reducing the visitors to 45/3 after Zak Crawley's early exit. England's struggles were compounded by Ben Duckett's dismissal, leaving them reeling at 71/4. However, a resilient 103-run stand between Ollie Pope (59*) and Harry Brook (54*) brought some stability, with England reaching 174/4 at tea, still 174 runs behind New Zealand's first-innings total of



348.

Root's duck in his milestone 150th Test match places him in an exclusive yet undesirable club, joining Australian legends Steve Waugh and Ricky Ponting as the only batters to record ducks in their 150th Test appearances. Earlier in the day, England dismissed New Zealand for 348, with Glenn Phillips (58*) anchoring the tail after Kane Williamson's composed 120 on Day 1. England's bowlers Brydon Carse (4/64) and Shoab Bashir (4/69) excelled, but the visitors faced immediate setbacks in reply. Harry Brook and Ollie Pope's counterattacking 150-plus partnership provided hope, but England's task remains daunting with a significant deficit to overcome and New Zealand's pace attack firing on all cylinders.

IPL: Too many Australians in Punjab Kings Ricky Ponting reacts to criticism

New Delhi. Punjab Kings head coach Ricky Ponting has reacted to criticism about making the side mini-Australia. Punjab bought 6 players in the IPL mega-auction on November 24-25. The team made fresh signings after retaining only two players. The Punjab side RTMed Arshdeep Singh for a massive amount of Rs 18 crore and majorly made a fresh side with 5 Australian players - including the likes of Glenn Maxwell and Marcus Stoinis. Speaking in a media interaction, Ponting said that the players that Punjab bought in the IPL auction fit their roles perfectly. We have brought some of the



best young Indian talent into our group, which is very exciting. So, our scouts have done a great job and worked really hard and well to make sure that the auctions go exactly how we wanted them to," said head coach Ricky Ponting. "We have (a few Australians) and I'll probably get some criticism. I think we have got five Aussies out of our complement of eight overseas. But when you look at the slots that we needed, the players that we have got fitted into those roles perfectly," Ponting reacted to the criticism.

"To have Marcus Stoinis and Glenn Maxwell back to Kings is huge as they have both played here in the past. A couple of new guys, including Xavier Bartlett, Aaron Hardie, and Josh Inglis, are coming into the IPL for the first time, which is also really exciting for us," added Ponting. Ponting adding Australian players to the roster is nothing new. In the 2024 edition of the Indian Premier League, Ponting introduced Jake Fraser-McGurk, who was a massive hit in the tournament.

➤ **Former World No.1 Simona Halep slammed the International Tennis Integrity Agency for double standards on doping bans. Halep, who was once banned for 4 years hit out at the association after Iga Swiatek received a 1-month ban for doping.**

New Delhi. Former World No.1 tennis player Simona Halep slammed the International Tennis Integrity Agency over their double standards while dishing out doping bans. In a lengthy Instagram post, Halep slammed the agency for trying to ruin her career, and being partial against her. Halep's comments came after the ITIA handed a one-month ban to Iga Swiatek after she tested positive for a banned substance. Halep pointed out at the discrepancy between her ban and the current World No.1's and said that she was left frustrated at the twilight of her career due to the unfair treatment. "I'm sitting and trying to understand, but it's really impossible for me

to understand something like this. I stand and ask myself, why is there such a big difference in treatment and judgment? I can't find and I don't think there can be a logical answer. It can only be bad will from ITIA, the organization that has done absolutely everything to destroy me despite the evidence," Simona Halep wrote on Instagram. "I really wanted to destroy the last years of my career, I wanted something that I could never have imagined would be wanted. I always believed in good, I believed in fairness, I believed in goodness. It was painful, is painful and maybe the injustice that was done to me will always be painful. How is it possible that in identical cases happening around the same time ITIA to have completely different approaches to my detriment. How could I accept that the WTA and the players council did not want to return me the ranking that I deserved?!" Halep said. "I lost two years of my career, I lost many nights when I couldn't sleep, thoughts, anxiety, questions without answers... but I won justice. It turned out that it was a contamination and that the biological passport was a pure invention. And I won something else, my soul remained clean!! I feel disappointed, I feel mad, I feel frustrated, but I do not feel evil even now. I am grateful for the support and



unconditional love of those who have been by my side every day. THANK YOU! In all the naughtiness, I also received love because those who offered me love in those moments really knew me! Perhaps this is the biggest victory! As we know well that every morning the sun rises for everyone, but it's good to rise finding yourself with a flawless soul! And that's how I am, packed and proud of what I am!" concluded Halep.

SWIATEK'S DOPING BAN

World number two and five-times Grand Slam champion Iga Swiatek accepted a one-month suspension after testing positive for banned substance trimetazidine (TMZ), the International Tennis Integrity Agency said

on Thursday. Swiatek tested positive in an out-of-competition sample in August but the ITIA, which runs tennis's anti-doping programme, accepted that it was caused by contamination of her medication melatonin, which was manufactured and sold over the counter in her native Poland. Swiatek said she had been taking it for jet lag and sleep issues and as there was no significant fault or negligence, the ITIA ruled it was "the lowest end of the range" and offered the reigning French Open champion a one-month suspension which the 23-year-old accepted. "The player was provisionally suspended from Sept. 12 until Oct. 4, missing three tournaments, which counts towards the sanction, leaving eight days remaining," the ITIA said in a statement.

Swiatek is not the first world number one to fail a doping test this year after Italy's Jannik Sinner, the men's top-ranked player, also tested positive for anabolic agent clostebol.

However, Sinner was cleared of wrongdoing by an independent tribunal ahead of the U.S. Open, which he went on to win. The World Anti-Doping Agency (WADA) has appealed to the Court of Arbitration for Sport (CAS) against the tribunal's finding of "no fault or negligence". With two of the biggest names in tennis escaping lengthy bans for anti-doping violations, questions are being raised about the sport's reputation.

Shubman Gill returns to training in big boost to India's pink ball Test hopes

New Delhi. India received a huge boost ahead of the Adelaide Test match as batter Shubman Gill returned to practice on Friday, November 29. Gill, who had been out due to a thumb fracture, was spotted in the India nets at Canberra ahead of the tour game against Prime Minister's XI. India are set to play their second Test match against Australia in Adelaide. The team will take on Australia in a Pink Ball Test match - traditionally a big strength for Australia in the 5-match series. Shubman, who had not been in action due to his rehabilitation process was seen leaving the field on the second day of the intra-squad match simulation ahead of the Perth Test. He was seen in considerable pain and immediately left the field for further scans. India Today had learnt at the time that Gill had fractured his left thumb and had been ruled out of the opening game. In case the batter does return to the playing XI, the visitors have to rejig their entire line-up. India captain Rohit Sharma is poised to



return to the playing XI, which will displace KL Rahul from his spot. With Shubman Gill expected to return to the line-up, Rahul might have to drop further down the order, possibly at No.5 or No.6.

Apart from Gill, India captain Rohit Sharma was also spotted in the nets. The India captain had started his practice midway through the Perth Test match. He was seen in good touch on Friday.

AUS vs IND: INDIA vs PM XI - ALL YOU NEED TO KNOW

➤ **Shubman Gill is in contention to play the 2nd Test in Adelaide**

➤ **Gill fractured his thumb ahead of the Perth Test match**

➤ **Rohit Sharma also joined Gill in practice**

India are set to play a warm-up fixture to prepare for their second Test against Australia which will be a day-night affair.

The Rohit Sharma-led side will take on Prime Minister's XI in a two-day pink ball-Test at Manuka Oval, Canberra from November 30. It will be a much-needed practice for the visitors who last played a day-night game in March, 2022 against Sri Lanka in Bengaluru. When and where to watch India vs Prime Minister's XI warm-up game? The India vs Prime Minister's XI warm up fixture will be live streamed on Hotstar while the live broadcast will be available on Star Sports on November 30 from 9:10 am onwards.

Europa League: Man United fight back for Amorim's 1st win, Spurs drop points vs Roma

New Delhi. Manchester United staged a thrilling comeback to defeat Norwegian side Bodo/Glimt 3-2, securing their first Europa League victory under new manager Ruben Amorim. Meanwhile, Tottenham Hotspur were denied all three points dramatically as AS Roma salvaged a 2-2 draw with a last-gasp goal on Thursday.

United's Resilience at Old Trafford

At Old Trafford, the match began with a moment of fortune for United. Within the opening minute, Bodo/Glimt goalkeeper Nikita Haikin mishandled a back pass under pressure from Rasmus Hjulund, leaving Alejandro Garnacho with an easy tap-in. However, Bodo/Glimt responded emphatically. Håkon Evjen's stunning 19th-minute strike into the top corner brought the visitors level, and Philip Zinckernagel muscled past Tyrell Malacia to beat André Onana, putting the Norwegian underdogs ahead and shocking the home crowd. United rallied before halftime. Noussair Mazraoui's



precise delivery found Hjulund, who controlled the ball brilliantly before firing a clinical finish to equalize. The Danish striker struck again shortly after the interval, guiding Manuel Ugarte's low cross into the net to give United the lead. Despite dominating the second half, United were unable to extend their advantage and relied on two key saves from Onana to secure the victory.

The result lifted United to 12th in the standings with nine points, while Bodo/Glimt remained seventh with seven points. Spurs Denied Victory by Roma's Late

Strike In North London, Tottenham Hotspur looked poised for a win but were left frustrated as Roma's Mats Hummels scored a late equalizer in stoppage time. Spurs took an early lead when Son Heung-min converted a fifth-minute penalty after Hummels fouled Pape Matar Sarr. Roma leveled in the 20th minute through Evan N'Dicka, who finished from Paulo Dybala's free kick delivery. Roma appeared to have turned the tide when they scored again, but the goal was ruled out for offside. Tottenham regained the lead in the 33rd minute as Dejan Kulusevski set up Brennan Johnson for a powerful low strike. However, despite dominating much of the match, Spurs failed to close the game out. In added time, a Roma corner initially cleared by Spurs was recycled into the box, where Hummels pounced to secure an unlikely draw for José Mourinho's side. The result leaves Spurs in ninth place with 10 points, while Roma sit 21st with six points, keeping both teams within striking distance of advancing to the next stage.



Kohli in the early part of his innings. Nathan Lyon had mid-on back, one on the off-side catching and a mid-wicket. I felt like it was so easy for him to get off strike," Hayden had told Channel 7 after India's win.

"You can't cut a sucker an even break when a bloke is under pressure as he was. The field we actually finished with - two slips, no point, a man straight - it offered up the outside edge of his bat as well. He found it a little more frustrating. When he got the bit between the teeth, it was too late. Hayden also highlighted missed opportunities during India's earlier batting partnerships, particularly with Yashasvi Jaiswal, who looked susceptible to short-pitched deliveries. He criticized the delayed use of such strategies and pointed to Australia's "shell-shocked" approach following their subpar batting performance in the first innings.

AUS vs IND: Mike Hussey backs 'defensive' Labuschagne to overcome form slump

Border-Gavaskar Trophy: Michael Hussey has backed Marnus Labuschagne, attributing his form slump to mental adjustments rather than technical issues. Labuschagne has scored just 123 runs at an average of 13.66 in his last 10 Test innings.

New Delhi. Former Australia batter Michael Hussey has thrown his support behind under-fire batsman Marnus Labuschagne, attributing his recent slump in form to mental adjustments rather than technical flaws. Labuschagne, widely regarded as one of the world's premier batsmen, has endured a

torrid run of form, managing only 123 runs at a paltry average of 13.66 across his last 10 Test innings. His struggles were on full display during the first Test against India in Perth, where he registered scores of just 2 and 3 as Australia succumbed to a crushing 295-run defeat. Critics have questioned Labuschagne's technique, but Hussey believes the root of the problem lies in his approach to the game. "I actually went back and had a look at some of his highlights of some of his great innings from a few years back. It was just to see if I could see anything different than what we've been seeing in the last week or so," Hussey told SEN.

Hussey suggested Labuschagne's attempts to shoulder greater responsibility as a senior player may have led to an overly cautious mindset. "From a technical perspective, there's actually not a lot of difference from when he was playing really well in scoring a lot of runs compared to the last Test match



against India. The biggest difference I've noticed is just his intent to score. He's probably looking at it thinking, 'I'm a senior player now, I've got to take responsibility, I've got to bat time, be there for the team, soak up the pressure and all of that'. That gets you into a tentative defensive frame of mind - of batting time, being there and being patient. Whereas when I watched some of those

highlights from a few years back, he was just confident and decisive in everything he did, even in defence and when he was letting the ball go he was getting into really strong positions." The 29-year-old Labuschagne took a proactive step to address his form on Thursday, returning to the basics with an intense nets session alongside a close friend. Hussey is optimistic that a mental shift can help Labuschagne rediscover his touch.

"I feel as though it's something that can be fixed really quickly just with a mindset shift," Hussey said. "If he can just change that mindset of just looking to occupy the crease ... into, 'Whatever I do, I'm going to do it confidently, decisively and be a little bit more positive with an intent to score', I feel like he can turn it around really quickly." Australia will hope Labuschagne regains his form ahead of the second Test against India, starting December 6 at the Adelaide Oval. A strong performance from their No.3 will be crucial as the hosts aim to level the series.



Diana Penty's

Latest Video Is A Must-Watch For All Introverts



Diana Penty's latest Instagram post is a hilarious nod to all introverts. In her newest clip, the actress shares a funny and relatable moment that will definitely have you laughing. The simply unmissable video has Diana putting her introverted side to display, and it will make you laugh hard, we bet. In the caption, she expressed what she feels when forced to act friendly during interactions. The actress wrote, "Hoping they'll cancel."

Showcasing her witty side, Diana Penty is seen reluctantly chatting with someone outside her house in her latest video. The forced smile on her face perfectly conveys her disinterest in the conversation. As the video unfolds, she cleverly closes the door on the individual without them noticing, only to be seen crying in relief once she's alone. The clip emphasises the discomfort of the interaction.

Before this, Diana Penty made headlines for her adorable birthday post for her beau Harsh Sagar, a diamond merchant. Although the couple has been dating for a while, Diana made it public only last year when she posted a message on Harsh's birthday. This year, too, she did not miss out on the opportunity to express her love for Harsh on his special day. Along with happy pictures of the two, she attached a heartfelt message that read, "Happy Birthdaysyyyyyy my HS. Here's to many more trips around the sun. Love you."

Earlier, while speaking with Hindustan Times, the actress revealed, "The film industry has made me learn patience all over again. I have learnt along the way that things will happen at their own pace and time. What's important is to keep the faith and continue to work hard." In terms of work, Diana Penty has proved her versatility as an actress in films like Selfie, Bloody Daddy, Adbhut and Shiddat. Next up, she is gearing for the release of the film Azaad, which will feature Aaman Devgan, the nephew of actor Ajay Devgn, and Rasha Thadani, the daughter of Raveena Tandon, marking their Bollywood debut.

Ananya Panday

Opens Up On Red Flags In A Relationship: 'Half-Heartedness Doesn't Work'

While Ananya Panday is emerging as a versatile actor, her personal life especially relationships have made headlines since her debut in Student of the Year 2. The actress has never openly admitted to her romantic equations but the chatter around her love life is a usual topic of discussion in the entertainment industry. Recently, Ananya shared her views on relationships and noted that half-heartedness doesn't work for her as one has to show loyalty and respect. During an appearance on Raj Shamani's podcast, Ananya said that she prefers to see the best in people and believes in giving her all to a romantic bond. In case of an argument, she would do everything to figure things out. That being said, she expects the same commitment from her partner.

"For me, half-heartedness doesn't work. If you are in a relationship, you have to show loyalty and respect," said Ananya. Talking about red flags in a relationship, the Call Me Bae star noted that no one sees a red flag immediately when they start going out. It is only after a while that they realise what could have been better. Exploring more, she mentioned small things like not acknowledging your partner in public and disrespecting them are a big no for her. "Another red flag would be ego, like not being able to see your partner succeed," she continued. Talking about her life, she admitted that sometimes it gets intimidating for men to accept she is a successful Bollywood actor.

During the same conversation, Ananya also revealed her idea of romance and how she sees her ideal partner. She expressed that it is someone who pays attention to details, notes her likes and dislikes, and tries to implement them. "Remembering small things is important," she noted. Apart from that, the actress said support is also an essential factor. On the work front, 2024 has been a stellar year for Ananya Panday. She has been a part of impactful projects that have solidified her position as a versatile actor. The actress was seen as Bella Chaudhary in the show Call Me Bae. She received major love and appreciation for the Prime video series. Later, she lead Netflix's thriller CTRL. As per reports, the actress will next be seen in period drama Shankara alongside Akshay Kumar and R. Madhavan.



she sees her ideal partner. She expressed that it is someone who pays attention to details, notes her likes and dislikes, and tries to implement them. "Remembering small things is important," she noted. Apart from that, the actress said support is also an essential factor. On the work front, 2024 has been a stellar year for Ananya Panday. She has been a part of impactful projects that have solidified her position as a versatile actor. The actress was seen as Bella Chaudhary in the show Call Me Bae. She received major love and appreciation for the Prime video series. Later, she lead Netflix's thriller CTRL. As per reports, the actress will next be seen in period drama Shankara alongside Akshay Kumar and R. Madhavan.



Kajol Captures A Priceless Hug From Son Yug In Viral Post, Netizens React With Love



Kajol and Ajay Devgn are proud and loving parents to Nysa Devgan and Yug Devgan, and they never shy away from expressing their affection for their kids. Recently, Kajol took to Instagram to share an adorable moment that has melted hearts online, with one fan calling it the "cutest thing on the internet." In the picture, Yug Devgan is seen giving his mom the warmest hug, and it's pure love. Adding to the charm of the photo, Kajol is holding their pet dog, whose reaction has everyone talking. The caption accompanying the post read: "Four arms four paws and one giant hug..happy 2nd birthday to my doggy baby, #pawsitivevibesonly #dogsofinstagram #notyouraveragepup #barkingmad #wooflife."

Fans were quick to shower the post with love. One user wrote, "Cutest thing on the internet today." Another commented, "Having a son is the most beautiful feeling in the world." Others chimed in with, "Unconditional love. So heart-touching," and, "This is so wholesome, much love to you, your family, and your doggy." Kajol and Ajay frequently share glimpses of their family life. Back in October 2024, they were spotted together at a Durga Puja pandal, where Kajol's playful side stole the show. In a video, Kajol humorously pinched Ajay to get him to pose properly for a family photo. Standing between Kajol and Yug, Ajay initially looked away, prompting Kajol to playfully pinch his hand. Ajay quickly responded by wrapping an arm around her shoulder, creating the perfect family frame.

Their son Yug added to the sweetness of the moment with his priceless reactions. Towards the end of the video, he teasingly interacted with Ajay, adding a touch of mischief to the heartwarming family moment. On the professional front, Kajol is gearing up for her next big release, Sarzameen, co-starring Ibrahim Ali Khan and Prithviraj Sukumaran. The patriotic drama is set to hit theaters around Republic Day 2025.

Game Changer Song NaaNaa Hyraanaa: Kiara Advani And Ram Charan Romance Against Stunning Locations



The excitement around Game Changer is growing as the makers have confirmed that the film, starring Ram Charan and directed by Shankar, will release on January 10, 2025, for Sankranti. After several delays, the release date is now set, and promotions have begun. Following the teaser launch in Lucknow, the team has now released the third single, titled NaaNaa Hyraanaa. The song, composed by Thaman S and sung by Karthik and Shreya Ghoshal, features lyrics by Ramajogayya Sastry, and promises to deliver the grand style that Shankar is known for.

The lyrical video featuring Kiara Advani and Ram Charan is a visual and auditory treat. The song, set against a breathtakingly picturesque backdrop, elevates the entire experience, with the stunning location almost stealing the spotlight. Adding to this charm are Kiara and Ram Charan, who sizzle in coordinating outfits that highlight their palpable chemistry. Vocally, the track soars to greater heights thanks to the soulful voices of Shreya Ghoshal and Karthik.

Game Changer marks a much-awaited return for director S Shankar, known for his knack for crafting intense political thrillers. In this film, Ram Charan stars as an IAS officer who takes on a corrupt system, bringing both brains and brawn to his role. The over one-minute teaser captures his transformation from a determined student preparing for his UPSC exams to a government officer unafraid to take on powerful enemies. Ram Charan's character, in a brief but impactful line, declares, "I am unpredictable," hinting at the complex layers of his role.

The project, initially announced in 2021, experienced multiple delays, partly due to S Shankar's simultaneous commitment to Indian 2 with Kamal Haasan. Ram Charan, in the meantime, was heavily invested in promoting his international success RRR, which saw him touring worldwide to support the film. Additionally, Kiara Advani took a brief hiatus in 2022 following her marriage to actor Siddharth Malhotra, further fueling speculation about delays.

